हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 29 जून 2024

11 महापुरुषों की प्रतिमाएं संसद प्रांगण से हटाकर सरकार ने दिया बहुजन विरोधी संदेश, रोष

12 जिले के 1813 किसानों को जल्द मिलेगा नया ट्यूबवेल बिजली कनेक्शन, वर्कऑर्डर जारी

खबर संक्षेप

लड़की को जबरदस्ती उठाने का मामला दर्ज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के एक गांव से दो अज्ञात लड़के एक लड़की को घर के सामने से जबरदस्ती उठाकर ले गए, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत में लड़की के परिजनों ने बताया कि गत 27 जून लगभग सायं साढ़े 7 बजे उनके घर के सामने से उनकी लड़की को दो अज्ञात लड़के एक बाइक पर जबरदस्ती बैठाकर लेकर गए हैं। शिकायत पर अटेली पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

शादी नहीं करने पर दी जान से मारने की धमकी

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव से परिवार संग खालड़ा हनुमान मंदिर जा रही एक लड़की को गाड़ी सवार लड़कों ने बीच रास्ते में रोककर शादी न करने पर गोली से जान से मारने की धमकी दी। लड़की ने इसकी शिकायत पुलिस में दी है। अटेली पुलिस ने पीड़ित लड़की की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

हुडा सेक्टर में साप्ताहिक संकीर्तन आज

नारनौल। श्री श्याम महायज्ञ आयोजन समिति की ओर से 29 जून की शाम सवा आठ बजे हुडा सेक्टर-वन में हरिओम शर्मा व सुधांशु शर्मा आवास पर निःशुल्क साप्ताहिक संकीर्तन होगा। इस संकीर्तन में बाबा श्याम को भजनों से रिझाया जाएगा।

नपा हाउस की 4 घंटे बंद कमरे में चली बैठक, विकास के 17 एजेंडे सर्वसम्मति से पास

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

नगर पालिका हाउस की बैठक शुक्रवार को नगर पालिका कार्यालय में आयोजित की गई। मीटिंग शुरू होने से पहले पार्षद प्रतिनिधि हरिराम खन्ना एवं पार्षद राजेश सैनी की रजिस्ट्रर में हाजिरी लगाने को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ता देख नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी ने सभी पार्षदों प्रतिनिधियों को बैठक से बाहर जाने के आदेश जारी कर दिए। वार्ड पार्षदों के प्रतिनिधियों को मीटिंग से बाहर निकालने के बाद नगर पालिका में सर्वसम्मति से विकास के 17 एजेंडे पास किए गए है। शहर के विकास के लिए सभी पार्षद एक जुट नजर आए। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही सभी कार्यों की अप्रूवल के बाद काम शुरू कर दिए जाएंगे।

- सभी पार्षदों प्रतिनिधियों को बैठक से किया बाहर, शहर के विकास के लिए सभी पार्षद आए एकजुट नजर

मीटिंग शुरू होने से पहले पार्षदों में हुई आपसी कहासुनी

मीटिंग से पहले हुआ विवाद

नगर पालिका हाउस की मीटिंग का समय 11 बजे रखा गया था। 11 बजे के बाद सभी पार्षद नगर पालिका कार्यालय में पहुंच गए थे। मीटिंग शुरू होते ही वार्ड नंबर छह के पार्षद राजेश सैनी व सुनील तायल ने नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी से फाइनेंस कमेटी की बैठक महेंद्रगढ़ करने की बजाए नारनौल किए जाने का कारण पूछा। इसको लेकर पार्षद प्रतिनिधी हरिराम खन्ना ने कहा कि कुछ पार्षद बैठक में विवाद करने आए है, बैठक पुलिस प्रोटक्शन की में की जाए। फिर पार्षद प्रतिनिधि हरिराम खन्ना रजिस्ट्रर में हाजिरी लगाने को कहा, यह कहते ही कुछ पार्षद बिफर गए और हंगामा होना शुरू हो गया। इसके बाद नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी ने सभी पार्षदों प्रतिनिधियों बैठक से बाहर जाने के आदेश जारी कर दिए। वार्ड पार्षदों के प्रतिनिधियों को मीटिंग से बाहर निकालने के बाद नगर पालिका में चार घंटा बंद कमरे में चली बैठक में सर्वसम्मति से विकास के 17 एजेंडे पास किए गए है।

महेंद्रगढ़। आपस में कहासुनी करते पार्षद। फोटो : हरिभूमि

17 एजेंडे रखे थे: नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी ने कहा कि मीटिंग में 17 एजेंडे रखे गए थे। सभी एजेंडे सर्वसम्मति से पास किए गए हैं। इसके अलावा वार्ड पार्षदों से उनके वार्ड के काम मांगे गए थे, उनकों भी सर्वसम्मति से पास कर दिया गया है। वीरवार को फाइनेंस कमेटी और डीएमसी की बैठक हुई थी। इस बैठक में लगभग सवा चार करोड़ रुपये के 12 कार्य पास किए गए हैं। जिनमें 11 हट्टा बाजार, स्ट्रीट लाइटें, शहर के प्रमुख सड़कें और डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के कार्य शामिल हैं। एक महीने के अंदर ये कार्य धरातल पर उतर जाएंगे।

इन प्रस्तावों पर लगी मुहर

- नगर पालिका कार्यालय में उपलब्ध स्ट्रीट लाइटों को सभी वार्डों में लगवाने के बारे।
- मोदाश्रम मंदिर के पास टूरिस्ट कॉम्पलैक्स बनाने बारे।
- ऑटो मार्केट के पास खाड़ी नगर पालिका की भूमि पर नया कॉम्पलैक्स बनाने।
- माजरा फाटक से माजरा चुंगी तक डिवाइडर का सौंदर्यकरण करने।
- शहर के सभी मुख्य चौराहों पर सौंदर्यकरण करने।
- नगर पालिका कार्यालय में टीन शैड व महिला-पुरूष शौचालय बनाने।
- नगर पालिका कार्यालय में काफी समय से लंबित पड़ी बिलों की अदायगी करने।
- शहर के प्रमुख बाजारों में पैच वर्क कार्य करवाने।
- शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए स्पेशल टेंडर लगाकर सफाई करवाने।
- चौधरी रणबीर सिंह स्मृति उद्यान के मैंटनेंस के लिए टेंडर लगाने।
- शहर से आवारा पशुओं को गोशाला में छुड़वाने।
- आतंकी बंदरों को शहर से बाहर छोड़ना।
- शहर में उपलब्ध टॉयलेट की सफाई व रखरखाव करने।
- कॉलेज मोड़ से लेकर कैंची मोड़ तक नाले का निर्माण करना।
- गंगा देवी अस्पताल रोड को टाईलों से चौड़ा करने।
- नगर पालिका क्षेत्र में विज्ञापन को रद्द करके दोबारा टैंडर लगाने।
- सरकार की पॉलिसी के तहत शहर को हरा-भरा करने का प्रस्ताव पास किया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

रेवाड़ी वाया नारनौल-फुलेरा रेलमार्ग पर बेगपुर अंडरपास के समीप शुक्रवार सुबह अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान उनिंदा निवासी योगेश के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवक के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना सुबह जीआरपी थाने में साढ़े 6 बजे मिली कि बेगपुर अंडरपास के समीप एक युवक ट्रेन की चपेट आ गया। मौके पर जीआरपी पुलिस पहुंची और इत्तेफाकिया कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। 26 वर्षीय युवक अविवाहित था। वह खेतीबाड़ी करता था। उसके शव के पास बाईक भी खड़ी मिली है।

इस वक्त जिला महेंद्रगढ़ में है 49 हजार विद्यार्थी, पिछली बार थे 55 हजार

हर साल घट रहे 5 से 6 हजार विद्यार्थी, स्कूल मुखियाओं को कारण बताओ नोटिस जारी

- इस बार अधिकारियों का दावा, बढ़ेंगी नहीं तो घटने भी नहीं देंगे विद्यार्थियों की संख्या

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

जहां वेतन की बात आती है तो शिक्षक चाहते है उन्हें सरकारी जॉब मिले। नौकरी मिलने के बाद उनकी लापरवाही कहें या शिक्षा विभाग की नीतियों में खामी। हर साल सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या पांच से छह हजार घट रही है। यहीं कारण है कि हर साल जिला में किसी ना किसी कोने में चल रहा सरकारी स्कूल बंद कर दिया जाता है। इस साल भी 49 हजार एडमिशन सरकारी स्कूल में हुए है। जबकि बीते वर्ष यह संख्या 55 हजार थी। हालांकि इस बार शिक्षा विभाग के जिला अधिकारियों का दावा है कि संख्या घटने नहीं देंगे।

वहीं, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने ऐसे स्कूलों को चिन्हित किया है जहां बालवाटिका या पहली कक्षा में एक भी छात्र का एडमिशन नहीं हुआ है। साथ ही 10 या इससे कम विद्यार्थी संख्या वाले स्कूलों को भी खंगाला गया है। जिला में ऐसे 48 स्कूल सामने आए है, जहां बालवाटिका में एक भी छात्र का एडमिशन नहीं हुआ। इनमें अटेली ब्लाक में एक, कनीना व महेंद्रगढ़ में नौ-नौ, नारनौल में 17 व नांगल चौधरी की 12 बालवाटिका है। वहीं 27 स्कूल ऐसे है जहां पहली कक्षा में एक भी छात्र का एडमिशन नहीं हुआ। उसमें अटेली ब्लाक से तीन, कनीना व महेंद्रगढ़ से चार-चार, नारनौल से 10 व नांगल चौधरी से छह स्कूल है। यहीं नहीं, ऐसे जिला में 32 स्कूल भी है, जहां छात्र संख्या 10 या इससे भी कम है। इनमें अटेली ब्लाक से एक, कनीना से नौ, महेंद्रगढ़ से छह, नारनौल से सात व नांगल चौधरी से नौ स्कूल है।

सेकेंडरी शिक्षा हरियाणा के निदेशक के पत्र क्रमांक केडब्ल्यू 20/1-2016 एसीडी (1) के अनुसार प्रदेश को जीरो ड्रॉप आउट का लक्ष्य देते हुए डीईईओ कार्यालय ने सभी विद्यालय मुखियाओं को अधिक से अधिक दाखिले करने के निर्देश दिए गए थे। डीईओ ने जिला में सभी बीईओ को भेजे इस पत्र में कहा है कि अभी तक कुछ विद्यालयों में बालवाटिका और पहली कक्षा में एक भी दाखिला नहीं किया गया है जोकि लापरवाही को दर्शा रहा है। इसके साथ-साथ कुछ विद्यालयों में छात्र संख्या 10 या इससे भी कम हैं। इनकी लापरवाही को देखते हुए महानिदेशक मौलिक शिक्षा हरियाणा के पत्र क्रमांक केडब्ल्यू 39/49/2020 एसीडी (4) दिनांक 20 मई 2024 की अनुपालना में सभी संबंधित विद्यालयों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है। उन विद्यालय की सूची भेजकर निर्देश दिया जाता है कि स्कूल मुखिया से कारण बताओ नोटिस का जवाब अपनी टिप्पणी सहित कार्यालय में भेजे ताकि लापरवाह कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की जा सके।

नारनौल। राजकीय प्राइमरी स्कूल पंजाबी-2 भवन। फोटो : हरिभूमि

ऐसे 32 स्कूल जहां छात्र संख्या 10 या इससे भी कम

प्राइमरी स्कूल सूजापुर, मानपुरा, गाहड़ा, भालखी, नांगल, मोहनपुर, श्योपुरा, ढाणी बुजा, ढाणी जड़वा, उष्मापुर, ढाणी खरगावान, डोहर कलां, शाहपुरा-2, ढाणी किरारोद, मेई, ढाणी कादियान, ढाणी छिलरो, ढाणी प्रेमा, ढाणी स्वामियान, ढाणी भगता, ढाणी जिंदरा, ढाणी ठाकरान, ढाणी बंधा, गंगुताना व ढाणी बंजर है। इसके अलावा गर्ल्स प्राइमरी स्कूल ढाणी इसराना, ढाणी ककराला, ढाणी कपूरी, ढाणी भड़फ, सुरहेती पिलानियां, मारोली व सिलारपुर है।

ऐसे 27 स्कूल जहां पहली कक्षा में एडमिशन शून्य

प्राइमरी स्कूल भोड़ी, सूजापुर, मानपुरा, तलवाना, मोहनपुर, भगड़ाना, ढाणी आकोदा, गादड़वास, बलाहा कलां, डोहर कलां, बलाहा खुर्द, आजमनगर, मेई, गुलावला, रघुनाथपुरा, शाहपुर-2, भांखरी, बनिहाड़ी, नांगल पीपा, ढाणी जिंदरा, ढाणी प्रेमाव ढाणी स्वामियान है। इनके अलावा गर्ल्स प्राइमरी स्कूल नीरपुर नारनौल, ढाणी इसराना, सुरहेती पिलानियां, मारोली व आंतरी बिहारीपुर है।

बालवाटिका जहां एक भी नहीं हुआ एडमिशन

जब नोटिस भेजा गया तब तक जिला में 48 बालवाटिका ऐसी थी जहां एक भी एडमिशन नहीं हुआ। उनमें प्राइमरी स्कूल ढाणी बिहाली, आनावास, ढाणा, गागड़वास, मानपुरा, नांगल, मुडायन, खैराना, माधोगढ़, ढाणी बसई, सतनाली बास, कोथल कलां, चितलांग, नानगवास, श्योपुरा, ढाणी छिलरो, नांगल काठा, डोहर कलां, गहली, रामपुरा, ढाणी किरारोद, छापड़ा, बलाहा खुर्द, मेई, जादूपुर, फैलअलीपुर, नारहेड़ी, पंजाबी-2 नारनौल, शाहपुरा-2, ढाणी कुडियान, ढाणी नांगल सैनियान, दौंगली, खानपुर, ढाणी बंजर, ढाणी ठाकरान, ढाणी जिंदरा, ढाणी प्रेमा, ढाणी सादा, शिमली, ढाणी भगता, ढाणी शामियान व ढाणी बंधा है। वहीं गर्ल्स प्राइमरी स्कूल ढाणी इसराना, आकोदा, सुरहेती पिलानिया, मारोली व आंतरी बिहारीपुर और गर्ल्स मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल बवानिया शामिल है।

क्या कहते है अधिकारी

जिला मौलिक शिक्षा अधिकरी संतोष चौहान ने बताया कि ऐसी बालवाटिका व स्कूलों को चिन्हित कर बीईओ के मार्फत स्कूल मुखियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसके बाद कुछ स्कूलों में संख्या बढ़ी है, पर अभी तक सभी का जवाब नहीं आया है। उनका प्रयास है कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या घटे नहीं, इसके लिए प्रत्येक कर्मी को स्कूल स्तर पर मेहनत करने की जरूरत है।

पहले मानसून की बारिश ने अटेली नगर पालिका की पोल खोली

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

मानसून की पहली बरसात ने अटेली नगर पालिका की पोल खोल दी है। पालिका द्वारा समय रहते हुए नालों की सफाई का कार्य न होने की वजह से पूरे अटेली शहर में हर तरफ बरसात का पानी नजर आया है। अटेली शहर का नारनौल रेवाड़ी रोड, पुराना बस स्टैंड, अनाज मंडी, रेलवे रोड, पुरानी अनाज मंडी, राधा कृष्ण मंदिर, पशु अस्पताल, श्मशान घाट रोड हर तरफ पानी पानी नजर आया सभी सीवर ओवरफ्लों ही नजर आए। शिविरों का गंदा पानी भी रोड पर भरा हुआ नजर आया। जबकि नगर पालिका प्रशासन को पता होते हुए भी समय से नालों की सफाई का कार्य नहीं करवाने की वजह से दुकानदारों को काफी हानि आर्थिक उठानी पड़ी। रेलवे रोड, नया बस स्टैंड, पुराना बस स्टैंड, नारनौल रेवाड़ी रोड पर उनकी दुकानों में पानी भरा हुआ नजर आया। नया बस अड्डा के सामने एक से दो फुट तक पानी जमा हो गया, जिससे पैदल चलने वाले राहगीरों का कुछ समय के लिए रास्ता बंद हो गया। पानी जमा होने से दुकानों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है, जिससे दुकानदारों को काफी आर्थिक हानि हुई, जबकि अटेली शहर के लोगों द्वारा समय से प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी अटेली नगर पालिका प्रशासन नींद से सोया हुआ है। अटेली नगर पालिका के द्वारा समय रहते हुए यह नाले साफ सफाई का काम हो जाता तो आज लोगों को यह दिन देखना नहीं पड़ता।

वहीं वर्षा होने से जहां किसानों के चेहरे खिल उठे। वर्षा होने से बाजरा की बिजाई में किसान जुट जाएंगे। बजारा की बिजाई का इंतजार कर रहे किसान अब बजारा की बिजाई कर सकेंगे।

मंडी अटेली। बारिश से अटेली पुराना पुराना बस स्टैंड पर पानी में डूबी पड़ी दुकानें।

अब शुरू होगा अधूरे पड़े छलक नाले का निर्माण

नो-एक्सेस पेमेंट सर्टिफिकेट देने पर चेयरपर्सन ने बिल पर किए हस्ताक्षर

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

बिल पर हस्ताक्षर नहीं होने की वजह से एजेंसी छलक नाले का अधूरा निर्माण पूरा नहीं कर रही थी। चेयरपर्सन कमलेश सैनी की जिद थी कि पहले नगर परिषद अधिकारी इस निर्माण संबंधित नो-एक्ससे पेमेंट सर्टिफिकेट दें उसके बाद ही वह बिल पर हस्ताक्षर करेगी। एक साल बाद यह सर्टिफिकेट उन्हें दे दिया गया। वायदे के मुताबिक चेयरपर्सन ने बिल पर हस्ताक्षर कर दिए है। अब एजेंसी को पैसा मिलने के बाद अधूरे पड़े छलक नाले का निर्माण शुरू होने की उम्मीद है।

इसस पहले चेयरपर्सन कमलेश सैनी वीरवार शाम छलक नाले को देखने ठेकेदार, पार्षद व नगर परिषद के अधिकारियों के साथ गई थी। निजामपुर रोड तक जगह-जगह अधूरे पड़े छलक नाले का निरीक्षण किया और यह निर्देश दिए कि सबसे पहले ठेकेदार शनि मंदिर, गौशाला रोड, मोहल्ला महल के पास एससी बस्ती में अधूरे पड़े रोड और नाले के निर्माण को प्राथमिकता देगा और फिर शुरुआत से जहां-जहां नाला अधूरा पड़ा है वहां से निर्माण कार्य पूरा करता हुआ आएगा।

उन्होंने कहा कि सांसद व अधिकारियों की बैठक में उपस्थित के दौरान मांगे गए दो बिंदु और दस्तावेजों में से एक बिंदु के दस्तावेज नगर परिषद के अधिकारियों ने उपलब्ध करवा दिए है जिसका अवलोक करने के बाद ठेकेदार के बिल नंबर 16 के भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अब ठेकेदार ने भुगतान मिलते ही एक माह के अंदर इस अधूरे पड़े नाले का निर्माण पूरा करने का आश्वासन दिया है। निरीक्षण के दौरान चेयरपर्सन के साथ एमई सोहनलाल, पार्षद संदीप जैन, अमर सिंह, धूप सिंह, विनोद कुमार, संजय सैनी, व महिला प्रदेश कार्यकारिनी की सदस्य सरोज बाला सैनी भी मौजूद थी।

गौरतलब है कि नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी का जब कार्यकाल आरम्भ हुआ, उससे पहले तक इस छलक नाले निर्माण पेमेंट की 12 अलग-अलग चेक से करीब 17 करोड़ राशि फर्म को दी गई थी। इसके बाद 13वां चेक अगस्त-2022 को 2 करोड़ 29 लाख 72 हजार 445, 14वां चेक फरवरी-2023 को 2 करोड़ 22 लाख 9 हजार 895 और 15वां चेक मई-2023 को 2 करोड़ 12 लाख 97 हजार 64 रुपये का जारी किया गया। इन तीनों ही चेक (13वां,14वां व 15वां) पर संबंधित अधिकारियों सहित कमलेश सैनी ने हस्ताक्षर किए तो यह पेमेंट फर्म को मिली। इसके बाद 16वां बिल 2.43 करोड़ राशि के बिल पर हस्ताक्षर करने से पहले नो-एक्ससे पेमेंट सर्टिफिकेट देने की डिमांड चेयरपर्सन ने की थी। एक साल बाद यह सर्टिफिकेट अधिकारियों ने अब दिया है।

नारनौल। अधूरे पड़े छलक नाला निर्माण का निरीक्षण करती चेयरपर्सन कमलेश सैनी।

नारनौल। 21 जून को प्रकाशित समाचार।

दूसरे बिंदु पर अभी अधिकारी नहीं दे रहे स्पष्ट जवाब

चेयरपर्सन ने यह भी कहा है कि उनके द्वारा दूसरे बिंदु जिसमें मॉनिटरिंग रिपोर्ट पर प्रधान की जगह उपप्रधान के हस्ताक्षर थे, उसके नियम सम्बन्धित दस्तावेज अभी भी नगर परिषद के अधिकारियों ने उनको उपलब्ध नहीं करवाए हैं।

दो युवकों को रेलवे और बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 10.20 लाख हड़पे

- नारनौल के कोचिंग एकेडमी संचालक सहित 3 पर केस दर्ज
- कनीना वासी राजकुमार ने दी पुलिस अधीक्षक को शिकायत
- कोचिंग एकेडमी नारनौल के संचालक सहित तीन के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

दो युवकों को रेलवे व बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 10.20 लाख रुपये की राशि ऐंठने के आरोप में सिटी पुलिस ने तीन व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। इस बारे में कनीना वासी पीड़ित राजकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जीनियस एकेडमी नारनौल के संचालक राजेश कुमार वासी नायन नांगल चौधरी, संजय व संदीप वासी दिल्ली ने उनके पुत्र को रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर सात लाख तथा उनके भांजे को बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 3.20 लाख रुपये ले लिए और फर्जी ज्वाईनिंग लेटर जारी उसके पुत्र व भांजे का भविष्य खराब कर दिया। पैसे वापिस मांगने पर आरोपित धमकी दे रहे हैं। राजकुमार ने कहा कि वह अपने पुत्र व भांजे को नौकरी लगवाने के लिए फरवरी 2022 में जीनियस एकेडमी नारनौल में कोचिंग दिलाने के लिए गया। तब एकेडमी के संचालक राजेश कुमार वासी नायन ने उनसे कहा कि वे कोचिंग करवाते हैं, इसके अलावा रेलवे में उनकी अच्छी पहुंच है। उनके पुत्र को रेलवे में भर्ती करवाने के नाम पर उसने सात लाख रुपये तथा उनके भांजे को बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 3.20 लाख रुपये देने की मांग की। राजकुमार द्वारा रुपये देने की सहमति देने के बाद आरोपित उनके घर-गांव कनीना आया और तीन लाख रुपये के साथ उसके पुत्र व भांजे को भी साथ ले गया। इसके बाद घर आकर चार बार में दो लाख रुपये ओर ले गया। दो लाख रुपये ज्वाईंनिंग लेटर आने के बाद देने की बात कही। इसके बाद आरोपित संजय व संदीप दिल्ली ने आईआरसीटीसी दिल्ली के किसी दलाल से फर्जी ज्वाईंनिग लेटर व फर्जी आई कार्ड तैयार कर रजिस्ट्रड डाक से उनके पते पर चलता कर दिया।

मामले की हो रही जांच

कनीना शहर थाना इंचार्ज निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठने वाले एकेडमी संचालक सहित तीन व्यक्तियों के विरुद्ध केस दर्ज किया है। जिसकी गहनता से जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर आरोपितों को बख्शा नहीं जाएगा।

इस दौरान आरोपित उसके भांजे को बैंक में नौकरी लगवाने के नाम पर 3.20 लाख रुपये भी ले गया। इसके बाद आरोपित राजेश कुमार ने राजकुमार को फोन कर ज्वाईनिंग लेटर बारे जानकारी मांगी। ज्वाईनिंग लेटर मिलने की जानकारी देने पर राजेश कुमार ने राजकुमार से बाकी बचे दो लाख रुपये ओर देने की बात कही। इस प्रकार एकेडमी संचालक राजेश कुमार ने दो युवकों को नौकरी लगाने के नाम पर कुल 10.20 लाख रुपये ले लिए गए। आरोपित संजय व संदीप भी इस स्केंडल में शामिल रहे। अब उनसे रकम वापिस मांगतें हैं तो आरोपित उन्हें धमकी दे रहे हैं। पुलिस ने जीनियस एकेडमी के संचालक राजेश कुमार उसके सहयोगी संजय व संदीप पर केस दर्ज कर लिया है।

जेली फिश के पास ना तो दिल होता है और ना ही दिमाग

तितलियां चखकर नहीं, पैरों से किसी भी चीज का स्वाद पता लगाती हैं।

कंप्यूटर से ग्रेजुएशन करने के बाद चमकेगा करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

इन दिनों छात्र अपने करियर को लेकर काफी सीरियस है। वो जल्द से जल्द अच्छी नौकरी हासिल कर अपने करियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं। हर कोई अपने लिए ऐसा करियर ऑप्शन ढूंढना चाहता है जिसके जरिए उसे मनपसंद जॉब और मनचाही सैलरी मिल सके। ऐसे में जो छात्र कंप्यूटर से ग्रेजुएशन कर रहे हैं उनके लिए आज हम कुछ ऐसे करियर ऑप्शंस के बारे में जानकारी लाये है जिनके जरिए वें अपने भविष्य को संवार सकते हैं। बढ़ती महंगाई में सभी को अच्छे करियर की तलाश रहती है, और सभी चाहते हैं कि वह अच्छी सैलरी पा सकें, ताकि अच्छा लाइफ स्टाइल को फॉलो कर सकें।

काफी ज्यादा डिमांड

कई तरह के कोर्सेज हैं जिन्हें करने के बाद आप अपने करियर को सुरक्षित कर सकते हैं और एक अच्छी सैलरी वाली जॉब का सकते हैं। आज के समय में सब काम ऑनलाइन होते हैं। हर जगह कंप्यूटर की जरूरत पड़ रही है। ऐसे में जो विद्यार्थी कंप्यूटर से ग्रेजुएशन कर रहे हैं उनकी मांग भी काफी बढ़ने वाली है। अगर आप भी कंप्यूटर के बारे में अच्छा खासा ज्ञान रखते हैं और कंप्यूटर की लैंग्वेज पढ़ने में सक्षम है तो आपको इन कोर्स के बारे में जरूर जानना चाहिए। ताकि आप अपने लिए बेस्ट ऑप्शन सेलेक्ट कर सके और उसके अनुसार अपना कैरियर बना सके।

इंटरनेट से जुड़ा हुआ

आजकल हर कोई अपने मोबाइल पर ज्यादा समय बिता रहा है और इंटरनेट का इस्तेमाल करके नई-नई चीजों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा है। इसी के चलते हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की बिक्री के लिए डाटा इकट्ठा कर रही है। एक डाटा साइंटिस्ट को इन सभी डाटा की जानकारी अच्छे से होती है इसीलिए मार्केट में डाटा साइंटिस्ट की डिमांड बढ़ रही है। इस फील्ड में अन्य क्षेत्रों की बजाय कंपटीशन भी कम है क्योंकि बेहद कम लोगों को इसके बारे में पता है। ऐसे में आप अच्छी सैलरी के साथ एक बेहतरीन जॉब पा सकते हैं।

सैलरी अच्छी

आज के समय में किसी भी बिजनेस को ऑनलाइन शिफ्ट करने के लिए वेबसाइट चाहिए होती है। इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ वेबसाइट की आवश्यकता और मांग में भी वृद्धि हुई है। एक वेब डेवलपर की सैलरी भी काफी अच्छी होती है। इसके अलावा यह एक ऐसा काम है जिसकी शुरुआत आप फ्री लांसिंग के तौर पर भी कर सकते हैं और कमाई कर सकते हैं।

ज्ञान होना जरूरी

आज के इस डिजिटल दौर में लगभग हर क्षेत्र में मशीन लर्निंग चाहिए होती है। आपको किसी भी फील्ड में सरलता से मशीन लर्निंग की नौकरी मिल जाएगी। मशीन लर्निंग नौकरी लेने के लिए आपको इससे जुड़े प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर के बारे में ज्ञान होना चाहिए। मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके आप आसानी से किसी भी कंपनी में बड़े ओहदे पर पहुंच सकते हैं और आपको सैलरी भी काफी अच्छी मिलेगी।

पसंदीदा क्षेत्र

यदि आपको ऐसा लगता हैं कि केवल पबजी और फ्री फायर ही सबसे ज्यादा खेले जाने वाले खेल है तो ऐसा नहीं है। पूरी दुनिया में हर दिन अलग-अलग तरह के गेम रिलीज होते हैं। वीडियो गेम के मामले में तो बहुत सारे गेम काफी पसंद किए जाते हैं। अगर आप भी वीडियो गेम बनाने में रुचि रखते हैं तो इस काम के बारे में सीख सकते हैं और गेम डेवलपर बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसान का फ्यूचर बनने जा रहा है। जितनी स्पीड से आर्टिफिसीयेल इंटेलिजेंटस और रोबोट हमारे डेली रूटीन का भाग बनते जा रहे हैं उसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर रिसर्च करने वाले लोगों की मांग कितनी बढ़ाने जा रही है। चैट जीपीटी और ब्रैड जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की समझ रखने वाले लोगों को रिसर्चर और साइंटिस्ट के पद पर काफी अच्छी जॉब्स ऑफर की जा रही है।

बन सकते हैं सॉफ्वेयर इंजीनियर

इन दोनों मार्केट में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की डिमांड बढ़ती जा रही है। सभी आईटी कंपनियों में बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर या सॉफ्टवेयर डेवलपर को ढूंढा जा रहा है। यदि आप भी कंप्यूटर के बारे में जानते हैं और कंप्यूटर की लैंग्वेज का ज्ञान है तो आप भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर बन सकते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने से आपका भविष्य भी सुरक्षित होगा।

डिग्री और डिप्लोमा कोर्स कर संवार सकते हैं अपना करियर

आज के समय में आयुर्वेद के डॉक्टर की काफी मांग, नौकरी के बेहतर अवसर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

शिक्षा के छेत्र में विद्यार्थी के सामने कहीं प्रकार के डिग्री और डिप्लोमा क्षेत्र मौजूद होते हैं। विद्यार्थी किसी भी तरह के डिग्री और डिप्लोमा कोर्स के जरिए अपने करियर को संवार सकता है। विद्यार्थी के लिए साधारण तरीके की कई डिग्रियां की जाती है और अपने करियर को बनाने के लिए प्रयास किए जाते हैं। विद्यार्थी दसवीं कक्षा पास करने के बाद और 12वीं कक्षा पास करने के बाद पूरी तरह से विचलित हो जाता है कि आगे उसे क्या करना चाहिए। विद्यार्थियों के लिए कई प्रकार के डिग्री व डिप्लोमा कोर्स मौजूद होते हैं। आज के आर्टिकल में हम आपको बीएएमएस के बारे में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

अच्छी आमदनी का जरिया

आज के समय में भारत में आयुर्वेद डॉक्टर बनने के लिए विद्यार्थी खासतौर से प्रयास कर रहे हैं। भारत में आयुर्वेद का भविष्य आप नजर आ रहा है। आयुर्वेद के दम पर भारत के मार्केट में अच्छा पैसा भी कमाया जा रहा है। आयुर्वेद में डिप्लोमा और डिग्री कोर्स करने के बाद विद्यार्थी आयुर्वेद डॉक्टर के तौर पर कार्यरत हो सकता है आयुर्वेद डॉक्टर बनने के लिए जरूरी बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिकल एंड सर्जरी होती है। इस डिग्री को लेकर विद्यार्थी आयुर्वेद डॉक्टर बन सकते हैं। बीएएमएस कोर्स जो 5 साल की अवधि के लिए विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होने वाला कोर्स है। यह को भी एमबीबीएस डिग्री की तरह 5 साल और 6 महीने में पूरा होता है। बीएएमएस का फुल फोर्म बेचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसन एंड सर्जरी होता है।

जरूरी योग्यताएं

डॉक्टर के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का सपना लाखों लोगों का होता है। लेकिन डॉक्टर बनने के लिए जो जरूरी पोस्ट होते हैं। उनके लिए योग्यता का मापदंड भी निर्धारित किया जाता है। विद्यार्थी जो बीएएमएस कोर्स करना चाहते हैं। उन विद्यार्थियों के लिए नीचे दी गई निम्नलिखित योग्यता मापदंड को पूरा करना बहुत जरूरी है।

- विज्ञान वर्ग में विद्यार्थी को 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।
- विज्ञान वर्ग में विद्यार्थी को जीव विज्ञान के साथ 12 वीं कक्षा अच्छे अंकों के साथ बात करनी है।
- बारहवीं कक्षा के बाद विद्यार्थी इंट्रेंस एग्जाम में पास होना जरूरी होता है।
- विद्यार्थी के 12वीं कक्षा में न्यूनतम 60% अंक होना अनिवार्य है।

5 साल और 6 महीने का कोर्स

कितनी होती फीस

जब विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में डिग्री व डिप्लोमा कोर्स करना चाहता है तो सबसे पहले विद्यार्थी फीस का आकलन लगाता है। यहां सरकारी कॉलेज में 15000 से लेकर 30000 तक की प्रति वर्ष की फीस आपको देनी होती है। इसके लिए सबसे पहले एंट्रेंस एग्जाम पास करके आपको सरकारी कॉलेज में दाखिला लेना होगा। अन्यथा यदि आप प्राइवेट कॉलेज के माध्यम से यह पोस्ट करते हैं, तो आपको करीब 300000 से लेकर 1500000 सालाना फीस देनी होगी। विद्यार्थी के पास किसी भी तरह की डिग्री लेने के बाद भविष्य में अलग-अलग तरीके करियर ऑप्शन मौजूद होते हैं। जो विद्यार्थी बीएएमएस कोर्स कर चुका है। उस विद्यार्थी के लिए नीचे दिए गए निम्नलिखित भविष्य के इसको मौजूद हो जाते हैं। विद्यार्थी भविष्य की पढ़ाई के तौर पर मास्टर डिग्री लेकर नीचे दिए गए विकल्प का चयन कर सकता है और इन क्षेत्रों में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकता है।

लेक्चरर, थेरेपिस्ट, आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट, साइंटिस्ट, मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव, जूनियर क्लीनिकल ट्रायल कॉर्डिनेटर, एरिया सेल्स मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव।

जॉब के अवसर

जब विद्यार्थी बीएएमएस का कोर्स कर लेता है। तो विद्यार्थी को अच्छी नौकरी भी मिल जाती है। विद्यार्थी बीएएमएस का कोर्स करने के बाद कहां पर नौकरी कर सकता है। उसकी सूची हम आपको नीचे प्रदान करवा रहे हैं।

- हॉस्पिटल
- नृसिंग होम
- क्लीनिकल ट्रायल्स
- एजुकेशन
- हेल्थकेयर आईटी
- इंसोरेंस सेक्टर
- आयुर्वेदिक रिसोर्ट
- स्पा रिसोर्ट
- कॉलेजेस
- फार्मेसी सेक्टर
- रिसर्च इंस्टीट्यूट
- पंचकर्म आश्रम
- गवर्नमेंट हॉस्पिटल
- प्राइवेट हॉस्पिटल
- लाइफ साइंस सेक्टर

सैलरी

विद्यार्थी के लिए किसी भी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स करने का पहला मकसद उस डिग्री व डिप्लोमा कोर्स करने के बाद जहां पर उसे नौकरी मिलेगी वहां सैलरी कितनी मिल सकती है। विद्यार्थी सबसे पहले सैलरी का आकलन करता है। बीएएमएस करने के बाद जो विद्यार्थी डॉक्टर बन जाते हैं।

उनकी वेतन की बात की जाए तो उम्मीदवार अपने टैलेंट के दम पर अच्छा पैसा कमा सकते हैं यहां उम्मीदवार को 400000 प्रति महीने से लेकर 1200000 रुपए प्रति महीना कमाने का मौका मिलता है।

ऐसे करें कोर्स

जो विद्यार्थी बीएएमएस कोर्स करना चाहते हैं। उन विद्यार्थियों को नीचे दिए गए निम्नलिखित चरणों को पूरा करना होगा।

12वीं कक्षा पास करें : विद्यार्थी को सबसे पहले कोई भी डिग्री लेने के लिए 12वीं कक्षा पास करनी होगी। बीएएमएस का कोर्स करना चाहते हैं। तो आपको सबसे पहले विज्ञान वर्ग यानी कि जीव विज्ञान में 12वीं कक्षा पास करना बहुत ही ज्यादा जरूरी है।

एंट्रेंस एग्जाम पास करें : विद्यार्थी को इस डिग्री लेने के लिए दूसरे चरण के तौर पर एक एंट्रेंस एग्जाम पास करना होता है। यह एंट्रेंस एग्जाम एमबीबीएस की डिग्री इस तरह ही होता है। नीट एग्जाम को पास करके भी विद्यार्थी बीएएमएस का कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा भी राष्ट्रीय स्तर पर कई अन्य एंट्रेंस एग्जाम होते हैं। जो अलग-अलग कॉलेज और अलग-अलग क्षेत्रों में करवाए जाते हैं। आप उनमें से किसी भी एंट्रेंस एग्जाम में भाग लेकर बीएएमएस कोर्स के लिए कॉलेज में दाखिल हो सकते हैं।

कॉलेज में दाखिला लेकर बीएएमएस की पढ़ाई करना : एंट्रेंस एग्जाम पास होने के बाद विद्यार्थी को बीएएमएस कोर्स के लिए कॉलेज में दाखिला मिल जाता है। उसके पश्चात विद्यार्थी को 5 साल और 6 महीने यानी कि कुल 11 सेमेस्टर की पढ़ाई करते हुए बीएएमएस का कोर्स पूरा करना होगा और उसके पश्चात बीएएमएस डिग्री का सर्टिफिकेट हासिल करना होगा।

सर्वश्रेष्ठ कॉलेज : भारत में हजारों की संख्या में कॉलेज मौजूद है। लेकिन जब किसी भी डिग्री के लिए भारत के लोकप्रिय कॉलेज और भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज की बात आती है। तब उनमें से कुछ कॉलेज का नाम टॉप पर आता है। उसी प्रकार से बीएएमएस कोर्स करने के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज की सूची हम आपको नीचे प्रदान करवा रहे हैं।

- आयुर्विज्ञान संस्थान (बीएचयू)
- राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय
- उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय हर्रावाला
- राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान
- स्वास्थ्य विज्ञान के महाराष्ट्र विश्वविद्यालय
- पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज, हरिद्वार
- सुमतिभाई शाह आयुर्वेद महाविद्यालय मालवाड़ी, पुणे
- डॉ डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय, नवी मुंबई
- विदर्भ आयुर्वेद महाविद्यालय, अमरावती
- सीएच ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नई दिल्ली

सपनों की ओर उड़ान: आपकी क्षमता और आपका भविष्य

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज की युवा पीढ़ी भारत के भविष्य की नींव है। आपके भीतर असीमित ऊर्जा, शक्ति और संभावनाएं छिपी हैं। एक ऐसी शक्ति जो दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है। लेकिन इस शक्ति का सही उपयोग कैसे करें? यही प्रश्न आज का सबसे महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, सपने देखना महत्वपूर्ण है। बिना सपनों के कोई भी बड़ी सफलता संभव नहीं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था, सपने वे नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वे हैं जो हमें सोने नहीं देते। आपके सपने आपके भविष्य का नक्शा हैं। जो भी आपको प्रेरित करता है, उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाइए। शिक्षा, खेल, कला या विज्ञान हर क्षेत्र में आपके सपने बुनियादी भूमिका निभाते हैं।

मेहनत और समर्पण का विकल्प नहीं

दूसरी बात, मेहनत और समर्पण का कोई विकल्प नहीं है। महानता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम आवश्यक है। कभी-कभी परिस्थितियाँ कठिन हो सकती हैं, लेकिन यह याद रखें कि कठिनाइयाँ ही आपके चरित्र का निर्माण करती हैं। अगर आप अपने सपनों के प्रति समर्पित हैं, तो कोई भी बाधा आपकी प्रगति को नहीं रोक सकती। तीसरी बात, सीखने की निरंतरता को बनाए रखें। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, और नई चीजें सीखने का जुनून आपको हमेशा आगे बढ़ाता है। अपने गुरुजनों से सीखें, अपने साथियों से प्रेरणा लें, और स्वयं को हर दिन एक नया सीखने का लक्ष्य दें। अगला कदम है सकारात्मकता। एक सकारात्मक दृष्टिकोण न केवल आपको मुश्किल समय में संभालता है, बल्कि यह आपकी रचनात्मकता को भी बढ़ाता है। जब आप अपनी चुनौतियों का सामना सकारात्मकता से करते हैं, तो समाधान ढूंढना आसान हो जाता है। जीवन में हर परिस्थिति से कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करें और उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। अंत में, समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें। आपकी सफलता का असली मापदंड वह होता है जब आप अपने समाज को बेहतर बनाने में योगदान देते हैं। अपनी उपलब्धियों को समाज के उत्थान में प्रयोग करें। दूसरों की मदद करें, पर्यावरण की रक्षा करें, और समाज की भलाई के लिए अपने ज्ञान और संसाधनों का उपयोग करें। युवा मित्रों, आप ही वो धारा हैं जो देश को नई दिशा में ले जा सकते हैं। आपका प्रत्येक कदम एक नई कहानी लिख सकता है। बस अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएँ, और यकीन मानें, आप वो हासिल करेंगे जो आपने कभी सोचा भी नहीं होगा। सपने देखें, मेहनत करें, सीखते रहें, सकारात्मक रहें, और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। यही आपकी सफलता की कुंजी है।

सपने देखें : बड़े लक्ष्य निर्धारित करें।

मेहनत करें: कड़ी मेहनत व समर्पण से बाधा पार करें।

निरंतर सीखें: ज्ञान की खोज कभी बंद न करें।

सकारात्मक रहें: चुनौतियों को अवसर में बदलें।

"अपनी सफलता से समाज को लाभ पहुंचाएं। ज्ञान की खोज कभी बंद न करें। ज्ञान की प्यास ही वह तत्व है जो मनुष्य को अन्य जीवों से अलग बनाता है। निरंतर सीखना न केवल एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है, बल्कि यह हमारे जीवन को प्रेरणा और उत्साह से भर देता है।

दुनिया के साथ तालमेल बिठाएं

यह हमें बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने, नए अवसरों को पहचानने और व्यक्तिगत व पेशेवर विकास की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है। जब हम ज्ञान प्राप्त करते रहते हैं, तो हम अपनी सोच को विस्तारित करते हैं। नए विचार और अवधारणाएँ हमारी समस्याओं को हल करने के नए तरीके सुझाती हैं। शिक्षा सिर्फ औपचारिक स्कूली ज्ञान तक सीमित नहीं है; यह जीवन के हर क्षेत्र में फैली हुई है। नई भाषाएँ सीखना, विभिन्न संस्कृतियों को समझना, नई तकनीकों को अपनाना – ये सब हमारे ज्ञान को समृद्ध करते हैं।
निरंतर सीखने का एक और लाभ यह है कि यह हमें आत्मविश्वासी बनाता है। जब हम नई चीजें सीखते हैं और उन्हें प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं, तो हमें अपने कौशल पर गर्व होता है। इससे हमारी आत्म-छवि और आत्म-सम्मान में वृद्धि होती है, जो हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। इसके अतिरिक्त, ज्ञान का निरंतर अन्वेषण हमें विविध दृष्टिकोण अपनाने की क्षमता देता है। हम विभिन्न मुद्दों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और अपने विचारों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से व्यक्त कर सकते हैं। इससे हमें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा मिलती है। चुनौतियों को अवसर में बदलें, जीवन में चुनौतियाँ अपरिहार्य हैं। ये हमें विभिन्न प्रकार के संघर्षों और समस्याओं से परिचित कराती हैं। लेकिन इन चुनौतियों को अवसरों में बदलने का नजरिया ही हमारी असली परीक्षा होती है। सकारात्मक दृष्टिकोण न केवल हमें कठिनाइयों का सामना करने में मदद करता है, बल्कि यह हमें उन कठिनाइयों से सीखने और विकसित होने का अवसर भी देता है। जब हम सकारात्मक रहते हैं, तो हम हर स्थिति का सकारात्मक पक्ष देख सकते हैं। चाहे वह एक असफलता हो या एक अप्रत्याशित समस्या, सकारात्मक दृष्टिकोण हमें इससे सीखने और बेहतर बनने की प्रेरणा देता है।

सामान्य ज्ञान

1. प्रसिद्ध चरकुला नृत्य संम्बन्धित है ?
(ए) अवध से
(बी) बुंदेलखंड से
(सी) ब्रजभूमि से
(डी) रुहेलखण्ड से

2. निमंलिखित में से कौन सुम्मेलित नहीं है?
(ए) आल्हा-महोबा
(बी) रसिया-बरसना
(सी) कजरी-मिर्जापुर
(डी) बिरहा-कनौज

3. बधाई है --
(ए) बुंदेलखंड का नृत्य
(बी) मालवा का नृत्य
(सी) दिवाली के दुसरे दिन भोपाल में मनाया जाने वाला एक त्योहार
(डी) बुंदेलखंड का लोक संगीत

4. तमाशा संगीत नाटक का प्रसिद्ध लोक स्वरूप है और यह सम्बंधित है -
(ए) उत्तर प्रदेश
(बी) पंजाब से
(सी) महाराष्ट्र से
(डी) बिहार से

5. बताइए कौन सा लोक संगीत दिए गये स्थानों से संम्बन्धित नहीं है?
(ए) कजरी-वाराणसी
(बी) बिरहा - कानपुर
(सी) होली -बृज
(डी) नौटंकी- हाथरस

6. निम्नलिखित नृत्यों में कौन - सा सुमेलित नहीं है /
(ए) करमा-महोबा
(बी) धुरिया - बुंदेलखंड
(सी) धीवर - कहार
(डी) नटवरी - पूर्वांचल

7. कारागम धार्मिक लोकनृत्य संम्बन्धित है?
(ए) केरल से
(बी) तमिलनाडु से
(सी) आंध्रप्रदेश से
(डी) कर्नाटक से

8. लोकनृत्य राहुला का संम्बध उत्तर प्रदेश के निम्न में से किस एक क्षेत्र से है?
(ए) पूर्वी क्षेत्र
(बी) पशिचमी क्षेत्र
(सी) मध्य क्षेत्र
(डी) बुंदेलखंड क्षेत्र

उत्तर 1.(सी) 2.(डी) 3.(ए) 4.(सी) 5.(बी) 6.(ए) 7.(बी) 8.(डी)

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। लोगों की शिकायतें सुनती बीडीपीओ रेणुलता यादव।

बीडीपीओ ने समाधान शिविर में सुनीं लोगों की समस्याएं

महेंद्रगढ़। बीडीपीओ रेणुलता यादव ने शुक्रवार को समाधान शिविर में 18 लोगों की शिकायतें सुनी। इनमें से अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया व बाकि शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर जल्द निपटारा करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसईपीओ मोहनलाल, जिला कल्याण विभाग से ममता, पशुपालन विभाग से कुलदीप शर्मा, आशुलिपिक ब्रह्मानंद, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से प्रवीण, क्रीड से अनीता सैनी, रवि तंवर व बिजली निगम से हिमांशु आदि मौजूद थे।

आईटीआई में दाखिला प्रक्रिया जारी, विद्यार्थियों को तीन जुलाई तक फीस करानी होगी जमा

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

आईटीआई में प्रथम काउंसलिंग की दाखिला प्रक्रिया शुरू हो रही है। नगर के जाटवास मोड पर चामधेड़ा रोड स्थित एमडीएस आईटीआई में भी कौशल विकास एवं उधमिता मंत्रालय भारत सरकार की ओर से चार ट्रेडों में 164 सीटों पर दाखिले होंगे। आईटीआई में चार ट्रेड है। संस्थान निदेशक गोपाल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि संस्थान में इलेक्ट्रीशियन की 80, प्लंबर की 24, वेल्डर की 40 एवं फिटर ट्रेड की 20 सीटों पर दाखिले सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार तथा तय शेड्यूल के तहत होंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी राजकीय व निजी प्रशिक्षण संस्थान में दाखिला प्रक्रिया शुरू है। प्रशिक्षण के इच्छुक छात्र-छात्राएं निर्धारित दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन कर करें। उन्होंने बताया कि आईटीआई संस्थानों में 2024-25 के दाखिले के इच्छुक अभ्यार्थियों के लिए इस बार परिवार पहचान पत्र आवेदक के पास अपना आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी व दसवीं आधारित योग्यता प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, हरियाणा रिहायशी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, इनकम सर्टिफिकेट, बैंक अकाउंट की कॉपी होना अनिवार्य है। वेल्डर, एवं प्लंबर ट्रेड में दाखिले की योग्यता 8वीं पास है, जबकि इलेक्ट्रीशियन, फिटर व अन्य सभी ट्रेडों में दाखिले की योग्यता 10वीं पास है। दाखिले का कार्यक्रम जारी है।

महेंद्रगढ़। एमडीएस आईटीआई का भवन। फोटो : हरिभूमि

काउंसलिंग का शेड्यूल इस प्रकार रहेगा

- 28 जून से दो जुलाई तक प्रमाण पत्रों की फिजिकल माध्यम से जांच आईटीआई स्तर पर होगी।
- 28 जून से तीन जुलाई तक लिंक के माध्यम से फीस जमा करानी होगी।
- चार जुलाई को दूसरे दौर के लिए खाली सीटों की प्रदर्शित की जाएगी।
- चार जुलाई से छह जुलाई तक पोर्टल रिविजन ओर प्रेफरेंस ऑफसान चेंज करने के लिए।
- दूसरे दौर के लिए मेरिट लिस्ट कम सीट अलाटमेंट नौ जुलाई को ऑनलाइन जारी की जाएगी।
- नौ जुलाई से 12 जुलाई तक प्रमाण पत्रों की फिजिकल माध्यम से जांच आईटीआई स्तर पर होगी।
- 9 जुलाई से 13 जुलाई तक लिंक के माध्यम से फीस जमा करानी होगी।
- 14 जुलाई को तीसरे राउंड के लिए खाली सीटों की प्रदर्शित की जाएगी।
- 14 जुलाई से 16 जुलाई तक पोर्टल रिविजन ओर प्रेफरेंस ऑफसान चेंज करने के लिए।
- तीसरे दौर के लिए मेरिट लिस्ट कम सीट अलाटमेंट 18 जुलाई को ऑनलाइन जारी की जाएगी।
- 18 जुलाई से 22 जुलाई तक प्रमाण पत्रों की फिजिकल माध्यम से जांच आईटीआई स्तर पर होगी।
- 18जुलाई से 23 जुलाई तक लिंक के माध्यम से फीस जमा करानी होगी।
- 24 जुलाई को चौथे दौर की खाली सीटों की लिस्ट जारी होगी।
- 24 जुलाई से 26 जुलाई तक पोर्टल रिविजन ओर प्रेफरेंस ऑफसान चेंज करने के लिए।
- चौथे दौर के लिए मेरिट लिस्ट कम सीट अलाटमेंट 30 जुलाई को ऑनलाइन जारी की जाएगी।
- 30 जुलाई से पांच अगस्त तक प्रमाण पत्रों की फिजिकल माध्यम से जांच आईटीआई स्तर पर होगी।
- 30 जुलाई से छह अगस्त तक लिंक के माध्यम से फीस जमा करानी होगी।

मोतियाबिंद के 2540 ऑपरेशन सफल, 20 हजार से अधिक ओपीडी कर 16475 मरीजों को चश्मा दवाइयां की वितरित

नारनौल। स्वर्गीय चौधरी जयपाल सिंह ढिल्लो जन सेवा ट्रस्ट की सामाजिक कार्यों में अहम भागीदारी होने लगी है। ट्रस्ट का दावा है कि अब तक ट्रस्ट की ओर से मोतियाबिंद के 2540 सफल ऑपरेशन मरीजों के करवाएं जा चुके है। वहीं 20 हजार से अधिक ओपीडी कर 16475 मरीजों को चश्मा दवाइयां भी वितरित की गई है। यह बात ट्रस्ट संयोजक एवं आप पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री रविंद्र सिंह मटरू ने शुक्रवार आंखों के ऑपरेशन के लिए मरीजों को आईजीई अस्पताल गुरुग्राम के लिए रवाना करते हुए कही। बस को हरी झंडी दिखाते हुए उन्होंने कहा कि पिछले ढाई साल से नर सेवा नारायण सेवा का नारा लेकर वह लगातार जन सेवा के क्षेत्र में चल रहे है।

- स्वर्गीय चौधरी जयपाल सिंह ढिल्लो जन सेवा ट्रस्ट ने की सामाजिक कार्यों में भागीदारी

वहां आए मरीज व उनके अभिभावकों ने ट्रस्ट संयोजक को इस नेक कार्य के लिए बधाई व आशीर्वाद दिया। उनका कहना था कि रविंद्र सिंह मटरू इतना अच्छा भलाई का काम कर रहे है। हम उनके साथ सदैव खड़े रहेंगे और लोगों को भी जागरूक करेंगे। इस मौके पर समाजसेवी राजकुमार चौधरी, गोकुल दायमा, हरीश सैनी, जीतू कपिल, अशोक स्वामी, सुभाष सलुनी व एससी सेल जिला अध्यक्ष शशिकांत हर्ष बडकोदा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नारनौल। बस को रवाना करते ट्रस्ट संयोजक रविंद्र सिंह मटरू।

नारनौल। कथावाचक दास मोहित कौशिक को सम्मानित करते समाजसेवी अतरलाल। फोटो : हरिभूमि

धनौन्दा में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा

नारनौल। कनीना क्षेत्र के गांव धनौन्दा में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन व्यासपीठ पर विराजमान दास मोहित कौशिक ने गोर्वधन पर्वत महारास प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। उन्होंने कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भागवत कथा सुनने से परिवार तथा समाज में सुख समृद्धि आती है। व्यक्ति में धर्म का पालन करने की भावना पैदा होती है और धर्म की जड़ सदा हरी रहती है। जिस प्रकार सभी नदियां समुद्र में गिरती हैं परन्तु समुद्र की चाह नहीं होती नदियां उसमें गिरें। इसी तरह सुख समृद्धि बिना बुलाए धर्मशील व्यक्ति के पास अपने आप आ जाती है। इस दौरान प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने कथा स्थल पर पहुंचकर व्यासपीठ पर विराजमान दास मोहित कौशिक को अंग वस्त्रम तथा स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कथा आयोजन करने के लिए दास मोहित कौशिक तथा श्रद्धालुओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि भागवत कथा सुनने से संशय दूर होता है। संशय आदमी को अधर में रखता है। इसलिए भागवत कथा अवश्य सुननी चाहिए। इससे समाज में सद्गुणों का विकास होता है। इस दौरान श्रद्धालुओं को छप्पन भोग प्रसाद बांटा गया। इस मौके पर बिमला, केला, धनपती, दया, शिवकुमार स्वामी, कैलाश सेठ ने कथा आयोजन में उल्लेखनीय योगदान देकर कथा संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विविध भंडार के कंडम सामान की लगाई जाएगी बोली

नारनौल। पुलिस लाइन में स्थित विविध भंडार के नकारा हो चुके लोहे व प्लास्टिक इत्यादि के सामान की बोली चार जुलाई को लगाई जाएगी। सुबह 10:30 बजे उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय की देखरेख में सामान की बोली लगाई जाएगी। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक पात्र समय पर पुलिस लाइन में पहुंचकर बोली में भाग लें। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि विविध भंडार के नकारा हो चुके फुटकर सामान जैसे कूलर, डीएफएमडी, मेज, अलमारी, रैक, बैरीगेट, रूम हीटर, प्लास्टिक/लकड़ी/स्टील कुर्सी, प्लास्टिक टंकी व अन्य लोहे आदि के सामान की नीलामी की जाएगी। नियम व शर्तें मौके पर ही बताई जाएंगी।

महेंद्रगढ़। सम्मानित करते हारट्रोन के स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी एवं मनोज गौतम। फोटो : हरिभूमि

हारट्रोन पर दिल्ली पुलिस में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

महेंद्रगढ़। हारट्रोन स्किल एवं कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में दिल्ली पुलिस में चयनित होने के बाद विद्यार्थी अजीत यादव, पायल, सुषमा, संजू एवं अन्य दिल्ली पुलिस में चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए कार्यक्रम के मुख्यवक्ता सवेरा स्वयंसेवी संस्था अध्यक्ष मनोज गौतम ने कहा कि निरंतर मेहनत के बल पर सफलता मिलती है। इनमें से कई विद्यार्थी ऐसे हैं जिनको एक नहीं दो-दो जगह सरकारी नौकरी मिली है। इस बात से सिद्ध होता है कि इन्होंने सफलता के लिए जी तोड़ मेहनत करी है। दिल्ली पुलिस में चयन के बाद पहली बार इंस्टिट्यूट आए विद्यार्थियों ने सभी बच्चों को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

संगठनों ने प्रतिमाओं को यथास्थिति स्थापित करने की मांग की

महापुरुषों की प्रतिमाएं संसद प्रांगण से हटाकर सरकार ने दिया बहुजन विरोधी संदेश, रोष

- महापुरुषों की प्रतिमाएं संसद प्रांगण से हटाकर सरकार का बहुजन विरोधी चेहरा हुआ बेनकाब

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

पुराने संसद भवन में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर एवं अन्य महापुरुषों की विस्थापित मूर्तियों को पुनः अपने पूर्वस्थान पर स्थापित करने की मांग को लेकर सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में विभिन्न संगठनों द्वारा समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में महेंद्रगढ़ रोड़ स्थित बाबा साहेब की स्टेच्यू के प्रांगण में एकत्रित होकर रोष प्रकट करते सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। फिर समिति की ओर से राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर मांग की है। डॉ भीमराव अम्बेडकर व अन्य महापुरुषों की स्टेच्यू पूर्व स्थान पर ही स्थापित की जाए।

मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए संघर्ष समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल ने बताया कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर एक अप्रतिम विद्वान, प्रख्यात न्यायविद, उत्कृष्ट संविधान विशेषज्ञ, प्रमुख संविधान शिल्पकार, प्रतिभाशाली सांसद, समाज-सुधारक और क्रांतिकारी होने के साथ साथ मानव अधिकारों के पुरोधा और मानव गरिमा सुनिश्चित करने के लिए अदम्य सेनानी थे। ऐसे महान महापुरुष का स्टेच्यू विशिष्ट स्थान से हटकर पुरानी संसद भवन के पीछे स्थानांतरित करना न्यायसंगत नहीं है। गोठवाल ने बताया कि बाबा साहब भीमराव की कांस्य प्रतिमा 1967 में संसद प्रांगण में स्थापित की गई थी। जो बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर मेमोरियल कमेटी द्वारा दान की गई थी। इसके निर्माण के लिए अम्बेडकरवादी समुदाय ने सार्वजनिक योगदान के माध्यम से धन एकत्र किया था। इस प्रतिमा का अनावरण तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा दो अप्रैल 1967 को किया गया था, परंतु बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि लोकसभा 2024 के चुनाव की पूर्व संध्या में रात के अँधेरे में लोकसभा सचिवालय के महासचिव द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के पुरानी संसद भवन में ऐसी जगह बाबा साहेब की मूर्ति को लगा दिया। जहां यह मूर्ति सांसदों, स्वदेशी एवं विदेशी विशिष्ट मेहमानों और श्रद्धालुओं की आंखों से सदैव ओझल रहेगी। समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, जांगिड़ समाज के प्रमुख समाजसेवी व चेयरमैन सुरेश जांगड़ा, हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के प्रधान व संघर्ष समिति के प्रवक्ता अनिल फाण्डन, डॉ अम्बेडकर जन जाग्रति मंच के प्रधान जसवंत भाटी व दहेज विरोधी मिशन के प्रधान रामेश्वर दयाल यादव आदि ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि लोकसभा सचिवालय के महासचिव के इस उद्यम ने सभी अम्बेडकरवादियों की भावनाओं को आहत कर दिया। बाबा साहब डॉ भीमराव की मूर्ति के संसद प्रांगण में स्थापना के समय किसी प्रकार का आंदोलन नहीं किया गया था परंतु अब एकांत और उदासीन स्थान पर बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को ले जाकर स्थापित करने पर देश विदेश में समग्र अम्बेडकर अनुयायियों की भावनाओं को ठेस लगी है। प्रतिमा के स्थान बदलने की घटना के बाद अम्बेडकर वादियों के दिलों में इस कदर ज्वाला धधक रही है जिसका कोई अंत नहीं है। इसकी एक मिशाल 26 जून को जंतर-मन्तर पर सरकार के विरोध में उमड़े जनसैलाब से भी देख चुके हैं कि किस कदर अपने मसीहा की प्रतिमा को विस्थापित करने पर सभी अम्बेडकरवादी भयंकर खार खाए हुए हैं। यह तो एक बानगी है, यदि सरकार ने अपना अडिग रवैया नहीं छोड़ा तो विद्रोह की ज्वाला पूरे देश में दावानल की तरह फैल जाएगी जिसके लिए सरकार स्वयं जिम्मेवार होगी। अतः लोकसभा सचिवालय के महासचिव द्वारा किए गए समाज व दलित विरोधी कार्य की सभी संगठन भ्रसक निंदा करते हैं और सरकार से आग्रह करते हैं कि इस प्रतिमा को पुनः अपनी पुरानी जगह पर ही लगाई जाए।

नारनौल। विरोध प्रदर्शन करते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

विरोध प्रदर्शन बैठक में गुरु रविदास एवं अंबेडकर महासभा फेडरेशन के प्रदेश लेखापरीक्षक रामकुमार ढैणवाल, वाल्मीकि सभा के राजेश चांवरिया, कबीर सामाजिक उत्थान संस्था के प्यारेलाल चवन, भारतीय सामाजिक परिवर्तन संघ के सुमेर सिंह गोठवाल, संघर्ष समिति के सचिव हजारीलाल खटावला, पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक जयपाल सिंह, प्रमुख समाजसेवी ओमप्रकाश मांडैया, पूर्व जिला पार्षद अश्वनी कुमार, पूर्व थानेदार रोहतास सिंह, अमरनाथ सिरोहा, अमित राज व लखमीचंद आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यदुवंशी शिक्षण संस्थान में सुपरब-100 स्कीम हुई प्रारंभ

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षण संस्थान में सुपरब-100 स्कीम प्रारंभ हो गई है, जिसमें नौवीं से 12वीं तक बच्चे मुफ्त पढ़ सकेंगे। इसके अलावा 12वीं पास बच्चे भी मुफ्त कोचिंग ले सकेंगे। यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि कोई भी विद्यार्थी नौवीं से 12वीं कक्षा में पढ़ता है या पास कर चुका है, वह आई केन डू टेस्ट में सात जुलाई को शामिल होकर इस स्कीम का लाभ उठा सकता है। सुपरब-30 के बच्चे हॉस्टल में रहकर तैयारी करेंगे। आई केन डू टेस्ट यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, नारनौल, हांसी तथा गुरुग्राम सेक्टर-92 में आयोजित किया जाएगा। इस सुपरब-100 के टेस्ट में आने वाले बच्चे किसी भी स्कूल से आ सकते हैं। उन्हें स्कूल तथा हॉस्टल सुविधा मुफ्त में रहेगी। 12वीं पास आउट बच्चे यदुवंशी डिग्री कॉलेज में मुफ्त दाखिला ले सकते हैं तथा साथ-साथ कोचिंग भी कर सकते हैं। सुपरब-100 में आर्ट्स, कॉमर्स, मेडिकल, नॉन मेडिकल सभी बच्चे आ सकते हैं। कॉमर्स के बच्चों को सीए फाउंडेशन, आर्ट्स के बच्चे कलेट के लिए, साइंस के बच्चे मेडिकल, आईआईटी तथा एनडीए के लिए तैयारी कर सकते हैं। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, ग्रुपडायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव, डायरेक्टर विजय सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव तथा प्राचार्य पवन कुमार उपस्थित रहे।

हरियाणा पब्लिक स्कूल में साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करने के लिए किया सेमिनार

नारनौल। शहर में नांगल चैधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को अध्यापकों के लिए कक्षा मैनेजमेंट एवं साइबर क्रांइम के प्रति जागरूक करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञ अंकुर बागी ने विद्यालय के सभी अध्यापकों को आधुनिक डिजीटल तकनीक के जरिए विद्यार्थियों को एडवांस एजुकेशन देने के बारे में बताया। उन्होने कहा कि समय के साथ शिक्षा के तरीकों में भी बदलाव हुआ है और बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ डिजीटल तरीके से प्रेजेंटेशन के माध्यम से सिखाना चाहिए। इस प्रकार आधुनिक तकनीक से विद्यार्थी समझाई गई बातों को जल्दी ग्रहण करते हैं।

साथ ही आज के समय में चल रहे साइबर क्त्राइम से भी सभी अध्यापकों को अवगत करवाया गया। उन्होने बताया कि आजकल हम सभी आए दिन समाचार पत्रों अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से नए नए तरीकों से ऑनलाइन ठगी के बारे में सुनते हैं। इसके लिए हमें बेहद सतर्क रहने की आवश्यकता होती है। विद्यालय के डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने विशेषज्ञ अंकुर बागी का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। विद्यालय के डायरेक्टर पुष्करमल वर्मा ने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों की तमाम सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए डिजीटल बोर्ड के जरिए शिक्षा दी जाती है। विद्यालय के एमडी डा. हितेश वर्मा व निधि वर्मा ने सभी अध्यापकों को साइबर क्राइम से सतर्क रहकर इससे बचने के लिए प्रेरित किया।

नारनौल। सेमिनार में मौजूद अध्यापक व कक्षा मैनेजमेंट। फोटो : हरिभूमि

डिप्टी डायरेक्टर उषा रानी की सेवानिवृत्ति पर कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित

- डिप्टी डायरेक्टर उषा रानी 35 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नारनौल। उप निदेशक उषा रानी का पगड़ी पहनाकर सम्मान करते एडीसी दीपक बाबूलाल करवा। फोटो : हरिभूमि

सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग में उप निदेशक के पद पर कार्यरत ऊषा रानी शुक्रवार अपनी लगभग 35 वर्षोंर् की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गई। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय नारनौल में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने उनका पगड़ी पहनाकर सम्मान किया।

दादरी जिले के गांव दुधवा की निवासी उषा रानी ने वर्ष 1989 में विभाग में नारनौल से क्षेत्र प्रचार सहायक के पद से अपनी सेवाएं शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने जिला कैथल, लोहारू, दादरी, रेवाड़ी, हिसार, पानीपत व चंडीगढ़ में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दी। फिलहाल वे नारनौल में उप निदेशक के पद पर कार्यरत थी। इस मौके पर जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव ने कहा कि वे अपने प्यारे और मिलनसार स्वभाव के कारण उच्च अधिकारियों के साथ-साथ अपने स्टाफ सदस्यों के बीच भी समान रूप से लोकप्रिय थी। कोई भी उनके कमरे में आने से कभी नहीं हिचकिचाता था। वे हमेशा किसी की भी मदद के लिए उपलब्ध रहती थी।

उन्होंने कहा कि उनकी कुशल कार्यक्षमता व उत्कृष्ट योगदान हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। हर समय आपने अपना 100 प्रतिशत देने का काम किया है।

ये सेवानिवृत्त जरूर हुई हैं पर सेवा के दायित्वों से नहीं। इनके मार्गदर्शन की हमें हमेशा अपेक्षा रहेगी। उप निदेशक उषा रानी ने संपूर्ण नौकरी के दौरान ईमानदारी के साथ काम किया है। इस अवसर पर एआईपीआरओ धर्मेंद्र कादयान, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय करनाल से अधीक्षक उषा रानी के अलावा समस्त स्टाफ उपस्थित था।

भाजपा सुशासन विभाग ने जिला वार सौंपी जिम्मेदारी : गोविंद

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

- प्रदेश प्रमुख गोविंद भारद्वाज ने गुरुग्राम से मनीष गाडौली व पलवल से नितिन गोयल को बनाया प्रदेश सह प्रमुख

भाजपा सुशासन विभाग के प्रदेश प्रमुख गोविंद भारद्वाज ने प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों से सलाह कर प्रदेश में भाजपा सुशासन विभाग के जिला प्रमुख एवं जिला सह प्रमुखों की नियुक्ति की है। उन्होंने ने गुरुग्राम से मनीष गाडौली और पलवल से नितिन गोयल को प्रदेश सह प्रमुख नियुक्त किया है। इस बाबत गोविंद भारद्वाज ने अधिकारिक पत्र भी जारी किया है।

गोविंद भारद्वाज ने गिरीश पुरी को यमुनानगर जिला प्रमुख और देशराज मंगल को सह प्रमुख बनाया है। इसी तरह से रामपाल छापरा को अंबाला जिला प्रमुख व कृष्ण आनंद को सह प्रमुख, रामधारी शर्मा को कुरुक्षेत्र जिला प्रमुख, भीम सैनी को करनाल जिला प्रमुख व सुभाष कोच को सह प्रमुख, प्रीतम गुर्जर को पानीपत जिला प्रमुख व नरेंद्र शमा, प्रदीप चौहान को सह प्रमुख, आनंद हुड्डा को सोनीपत जिला प्रमुख व मुकेश सैनी, अभिजीत राठौठ को सह प्रमुख बनाया है, चेतना अरोड़ा को रोहतक जिला प्रमुख व मनीष कुमार को सह प्रमुख, झज्जर जिला प्रमुख राजकुमार सैनी, सह प्रमुख राजेश कुमार को बनाया है। फरीदाबाद जिला प्रमुख ओम प्रकाश रक्षवाल, सह प्रमुख जोगेंद्र चावला को नियुक्त किया है। पलवल जिला प्रमुख सतबीर पटेल व सह प्रमुख राजबीर सरपंच, नूंह जिला प्रमुख मनोज तायल और सह प्रमुख पुनीत गुप्ता, रेवाड़ी जिला प्रमुख दलीप शास्त्री व सह प्रमुख सुधीर स्वामी, महेंद्रगढ़ जिला प्रमुख पृथ्वी सिंह यादव व सह प्रमुख ओम प्रकाश लिसानिया को नियुक्त किया गया है।

जींद जिला प्रमुख की जिम्मेदारी बलकार सिंह ढोहला को व सह सह प्रमुख कृष्ण लाल शर्मा को नियुक्त किया गया है। सिरसा जिला प्रमुख जगतपाल बैनीवाल व सह प्रमुख जगमीत सिंह, फतेहाबाद जिला प्रमुख ईश्वर नैन और सह प्रमुख विक्त्रम को नियुक्त किया गया है। भाजपा सुशासन विभाग के प्रदेश प्रमुख गोविंद भारद्वाज ने कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा भी जल्द की दी जाएगी।

सूचना

मैं अभिषेक बंसल पुत्र प्रवीण चौधरी निवासी 54/1 मोहल्ला चौधरीयान नारनौल जिला महेंद्रगढ घोषणा करता हूँ कि मैंने भविष्य के सभी प्रयोजनों के लिए अपना नाम अभिषेक से बदलकर अभिषेक बंसल कर लिया है।

सूचना

मैं प्रवीण चौधरी पुत्र ओमप्रकाश चौधरी 54/1 मो. चौधरीयान वार्ड 16 नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा घोषणा करता हूं कि मैंने भविष्य के सभी प्रयोजनों के लिए अपना नाम प्रवीण कुमार चौधरी से बदलकर प्रवीण चौधरी कर लिया है।

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। कर्मचारी जयवीर को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विदाई समारोह का आयोजित

महेंद्रगढ़। जनस्वास्थ्य अभियंत्रिक मंडल में कार्यरत कर्मचारी जयवीर झूक की रिटायरमेंट पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कनिष्ठ अभियंता रोशन लाल व मंच संचालन सुरेंद्र फौजी ने किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि समाजसेवी बलवान फौजी व विशिष्ट अतिथि के रूप में झूक गांव के सरपंच अनिल कुमार रहे। जिला अध्यक्ष राजेंद्र कामरेड ने कर्मचारियों के प्रति सरकार की नीतियों में आने वाले समय में आने वाले आंदोलन के बारे में बताया व जयवीर की ड्यूटी के प्रति वफादारी व ईमानदारी से करने में स्वस्थ रहने की कामना की।

आज होगा हजरस का 7वां राज्यस्तरीय अधिवेशन

नारनौल। हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ का 7वां राज्य स्तरीय अधिवेशन 29 जून शनिवार को सुबह 10 बजे से देर शाम तक दो सत्रों में महेंद्रगढ़ स्थित डा. बीआर अंबेडकर भवन आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक जिला महेंद्रगढ़ के पूर्व सचिव जयसिंह नारनौलिया ने प्रेस के नाम जारी विज्ञप्ति में बताया कि हजरस की स्थापना के बाद से राज्य कार्यकारिणी के गठन के लिए प्रत्येक तीन वर्ष बाद एक राज्य स्तरीय अधिवेशन किसी भी जिले में आयोजित किया जाता है। इस बार पहली दफा राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम की मेजबानी का सुअवसर जिला महेंद्रगढ़ को मिला है।

आसपास के अन्य किसानों को भी मिलेगा फायदा

जिले के 1813 किसानों को जल्द मिलेगा नया ट्यूबवेल बिजली कनेक्शन, वर्कऑडर जारी

- जिले में एक जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2021 तक 3679 किसानों ने नए बिजली कनेक्शन के लिए किया हुआ है निगम के पास आवेदन
- अब 10 बीएचपी या इससे कम हॉर्स पॉवर की मोटर के कनेक्शन पर सोलर प्लांट की अनिवार्य कंडीशन सरकार ने हटाई

राजकुमार ⏭ नारनौल

ट्यूबवेल के बिजली कनेक्शन के इंतजार में बैठे जिला महेंद्रगढ़ के किसानों के लिए खुशखबरी है। बिजली निगम एसई कार्यालय नारनौल ने फुल एंड फाइनल पेमेंट अदा कर चुके 1813 योग्य किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन देने के वर्क ऑर्डर जारी कर दिए हैं। इससे जिले के किसानों को जल्द ही ट्यूबवेल कनेक्शन मिल सकेंगे। यह कनेक्शन मिलने पर अपने ट्यूबवेल को बिजली से चला सकेंगे और अपनी फसलों की सिंचाई करके अच्छी पैदावार ले सकेंगे। इससे उनकी इनकम बढ़ सकेगी और अपना जीवन संवार सकेंगे। इससे आसपास के अन्य किसानों को भी इसका फायदा मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि जिला महेंद्रगढ़ में एक जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2021 तक 3679 किसानों ने ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए बिजली निगम के पास फाइलें जमा करवाई हुई

नारनौल। पॉवर हाउस। फोटो : हरिभूमि

हैं, लेकिन पिछली मनोहर सरकार ने प्रदेश के किसानों को 10 बीएचपी क्षमता की मोटर लगाने के लिए कनेक्शन एप्लाई करवाने वाले किसानों को यह कहते हुए कनेक्शन देने से मना कर दिया था कि 10 बीएचपी या इससे कम क्षमता की मोटर के लिए कनेक्शन लेने वाले किसानों को अपने ट्यूवबेलों पर सोलर कनेक्शन लेना होगा।

सोलर कनेक्शन हरेडा द्वारा जारी किए जाने तय किए गए थे। इस कारण अधिकांश किसानों ने अपने कदम पीछे हटा लिए थे। इनमें वह किसान भी थे, जिन्होंने बिजली निगम के पास नए ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए फुल एंड फाइनल पेमेंट भी जमा करवा दी थी। इसी कारण नए ट्यूबवेल कनेक्शनों की फाइलें पेंडिंग में चली गई और जिला अकेले जिला महेंद्रगढ़ में इनकी संख्या 3679 हो गई, लेकिन इसे लोकसभा चुनाव परिणाम का असर कहें या कुछ ओर, प्रदेश की सीएम नायब सैनी सरकार अपने सोलर प्लांट के फैसले से पीछे हटी है। यही वजह है कि अब 10 बीएचपी की मोटर वाले किसानों को भी सरकार यानि बिजली निगम नए बिजली कनेक्शन देगा।

यह कहते हैं एसई

रंजन राव
एसई, नारनौल

बिजली निगम नारनौल सर्कल के एसई रंजन राव ने बताया कि फिलहाल हमने फुल एंड फाइनल पेमेंट अदा करने वाले 1813 योग्य किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन देने का निर्णय लिया है। सरकार ने अब जो नया निर्णय लिया है, उसके अनुसार आवेदन की तिथि 31 दिसंबर 2021 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2023 कर दी है। नए निर्णय के अनुसार इस तिथि तक जो आवेदन हुए हैं, उनको भी नियमानुसार बिजली कनेक्शन दिए जाएंगे, लेकिन सरकार के नए निर्णय के लिखित आदेश अभी तक उन्हें प्राप्त नहीं हुए हैं। लिखित आदेश मिलने पर इन पर भी अमल किया जाएगा।

जिला महेंद्रगढ़ की स्थिति

जिला महेंद्रगढ़ यानि बिजली निगम नारनौल सर्कल में एक जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2021 तक 3679 किसानों ने नए ट्यूबवैल कनेक्शन के लिए आवेदन किया हुआ है। इनमें से 1813 किसान ऐसे हैं, जिन्होंने फुल एंड फाइनल पेमेंट अदा कर रखी है। फिलहाल इन फुल एंड फाइनल पेमेंट अदा कर चुके किसानों को प्रथम चरण में नए ट्यूबवैल बिजली कनेक्शन दिए जाएंगे। हालांकि बड़ी लाइन एचटी के 1611 एवं छोटी लाइन एलटी के 262 बिजली कनेक्शन भी किए जाने हैं, लेकिन यह फाइलें पीडी हिसार के पास पेंडिंग हैं। उनके स्तर पर ही इनको कनेक्शन जारी करने के ऑडर दिए जाने हैं। वहां से फाइल क्लीयर होने के बाद वापस बिजली निगम नारनौल सर्कल आएंगी और जैसा निर्णय होगा, वैसा पालना की जाएगी।

सीएम नायब सैनी की घोषणा का मिलेगा लाभ

गौर करने वाली बात है कि सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को चंडीगढ़ में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें भी किसानों को नए ट्यूबवेल कनेक्शन जारी करने पर निर्णय हुआ। नए निर्णय के अनुसार अब राज्य सरकार दिसंबर 2021 ही नहीं, इसके बाद में एप्लाई किए गए 31 दिसंबर 2023 तक के सभी आवेदकों को ट्यूबवैल कनेक्शन देगी। प्रदेश में ऐसे करीब 80 हजार किसान हैं। सरकार ने किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन का लोड बढ़वाने के लिए भी एक जुलाई से 20 दिन का समय दिया है। इस अवधि में निर्धारित चार्ज जमा करवाकर किसान लोड बढ़वा सकेंगे। इसके लिए पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। ट्यूबवेल दूसरी जगह शिफ्ट करने पर सौर ऊर्जा की शर्त को भी हटा लिया गया है। इन्हें पहले के कनेक्शन पर ही बिजली आपूर्ति होगी।

नारनौल। वीडियो कांफ्रेंसिंग में मौजूद एडीसी दीपक बाबूलाल करवा।

नारनौल के सभागार में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- मुख्यमंत्री नायब सिंह 30 को पानीपत से वेब कास्टिंग के जरिए करेंगे विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह 30 जून को पानीपत से वेब कास्टिंग के जरिए प्रदेश के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित करेंगे। वहीं जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल के लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यहां पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी पहुंचेंगे। अधिकारी इस कार्यक्रम को लेकर सभी प्रकार की तैयारी अभी से शुरू कर दें। यह निर्देश अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने शुक्रवार सेवा विभाग की महानिदेशक आशिमा बराड़ के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक के बाद अधिकारियों को दिए। एडीसी ने कहा कि 30 जून को नारनौल सभागार भवन में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता सर्टिफिकेट वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा डॉ बीआर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के लाभार्थियों को भी सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। सेवा विभाग के लाभार्थियों को प्रोएक्टिव मोड पर बनी नई पेंशन के लाभार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित किए जाएंगे। उन्होंने सभागार में होने वाले इस कार्यक्रम के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए कि यहां पर सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर लें। लाभार्थियों को लाने व ले जाने की व्यवस्था भी जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी। इसी प्रकार सभागार भवन में सभी लाभार्थियों को फूड पैकेट भी दिए जाएंगे।

जिला में समाधान शिविरों में आई 246 शिकायतें

नारनौल। लघु सचिवालय में शिकायतें सुनते एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह।

नारनौल। राज्य सरकार के निर्देश पर सुबह नौ से 11 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविरों में शुक्रवार जिला महेंद्रगढ़ में कुल 246 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। जिला व खण्ड स्तर पर लगे इन शिविरों में अधिकतर की शिकायतों का मौके पर समाधान भी किया। लघु सचिवालय में उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने परिवार पहचान पत्र से संबंधित मामलों को निपटाया व एसडीएम ने सामान्य मामले सुनें। वहीं सभी उपमंडलों में भी इसी तरह जनसुनवाई की गई। इन शिविरों में नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हो रहे हैं तथा लोगों को इसका फायदा भी मिल रहा है। प्रदेश सरकार की इस पहल से नागरिकों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है तथा राज्य सरकार के इन प्रयासों की सराहना कर रहे हैं। यहां पर प्रोपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, स्थानीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र, नगर पालिकाओं से नक्शे की स्वीकृति, समाज कल्याण विभाग की विभिन्न पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पुलिस से संबंधित शिकायतों, बिजली, सिंचाई, जनस्वास्थ्य से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की जा रही है। इस मौके पर नगराधीश मंजीत सिंह व डीएसपी सुरेश कुमार आदि अधिकारी मौजूद थे।

विश्व प्रसिद्ध जादूगर सम्राट शंकर ने जादूगरी के जरिए दिया पर्यावरण संरक्षण व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश

- पीजी कॉलेज में 30 जून तक हर रोज होंगे दो शो

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग के सौजन्य से विश्व विख्यात महान जादूगर शंकर सम्राट के शो के दूसरे दिन शुक्रवार का शुभारंभ नगराधीश मंजीत सिंह ने किया। सम्राट शंकर ने कई जादूगरी की कला दिखाते हुए लोगों को अचंभित कर दिया। जादूगर ने कागज मोड़कर उसे असली के 500

नारनौल। दूसरे दिन नगराधीश मंजीत कुमार ने मैजिक शो का शुभारंभ किया। फोटो : हरिभूमि

रुपये के नोट में बदल डाला और उस 500 के नोट को रगड़कर 100-100 के नोटों की एक लड़ी बना दी। यह सीन आते ही तालिया की गड़गड़ाहट शुरू हो गई। इसी प्रकार जादूगर ने कई बेहतरीन अचंभित करने वाले कारनामे किए। उन्होंने समाज सुधार को लेकर जादूगरी के जरिए संदेश दिया। उन्होंने नशा की प्रवृति, जल बचाओ, पेड़ लगाओ, बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ आदि विषयों पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए बेहतर समाज के निर्माण का संदेश दिया। इस दौरान जादूगर सम्राट शंकर ने कहा कि जादू एक ऐसी कला है, जिसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर देखता है। यह सब योग और हाथ की सफाई का कमाल है। हमें योग जरूर करना चाहिए।

नारनौल में ही हरेगा जिला का हेडक्वार्टर, नलवाटी व नांगल चौधरी के किसान नहीं रहेंगे चुप : महावीर

नारनौल। बैठक करने के बाद विरोध करते समिति सदस्य। फोटो :हरिभूमि

निजामपुर। नहरी पानी किसान संघर्ष समिति की बैठक शुक्रवार निजामपुर कस्बा में हुई। इसकी अध्यक्षता समिति प्रधान महावीर सालमपुरा ने किया। बैठक में नारनौल से जिला हेडक्वार्टर महेंद्रगढ़ ले जाने की का विरोध एकसूर में किया।महेंद्रगढ़ के कई संगठनों द्वारा हर साल महेंद्रगढ़ हेडक्वार्टर ले जाने मांग कर रहे हैं। इससे आपस में जिले के निवासियों का भाईचारा खत्म होता जा रहा है। सन 1966 से जब हरियाणा अलग राज्य बना था तब से जिला हेडक्वार नारनौल ही चला आ रहा है। नारनौल पूरे जिले का सेंटर है। इसे आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। अगर नारनौल को अलग-अलग जिला बनाया जाता है उस स्थिति में परेशानी नहीं होगी। अगर महेंद्रगढ़ की जनता बिना नारनौल जिला बने कार्यालय ले जाना चाहते हैं तो नलवटी व नांगल चौधरी के किसान चुपचाप नहीं बैठने वाले हैं। यहां के किसानों को भी धरना प्रदर्शन करना आता है क्योंकि राय मलिकपुर, बायल, मौखुता, गोठडी के छात्र-छात्राओं, किसानों को 70 किलोमीटर की दुरी काफी किराया देकर जाना पड़ेगा।